मकराना में स्थानीय तहजीब से प्रभावित इटली की सिमोना मकराना में अपने आप को एक बालिका के साथ कपड़े धोने से नहीं रोक पाई। *प्रेस फोटो: ए.आर.भाटी।*

सिमोना को संस्कृति व कला ने लुभाया

न्यूज सर्विस

मकराना, 16 फरवरी। इटली की शिल्पकार सिमोना बोक्की आज मंगलवार को मकराना से उदयपुर के लिये रवाना होंगी। वे शुक्रवार से मकराना में है और इस दौरान सिमोना ने यहां की तहजीब को करीब से जाना। बकौल सिमोना वे मकराना वासियों के असीम स्नेह एवं यहां सांस्कृति को कभी भूला नहीं पायेगी। इस दरमियान मकराना के मार्बल गोदाम, खनन क्षेत्र, गैंगसा मशीन, घड़ाई यार्डों सहित मार्बल व्यापार से जुड़े अन्य केन्द्रों का भ्रमण कर यहां की परम्परागत विद्या को करीब से जानने की कोशिश भी की।

बुरखे ने किया प्रभावितः- इटली की शिल्पकार सिमोना को मुस्लिम महिलाओं द्वारा धारण किया जाने वाला बुरखा बेहद पसंद आया। बुरखानशीन महिलाओं के पहनावें से प्रभावित सिमोना ने स्वयं ने बुरखा पहन कर भी देखा। मकराना में वे एक बारात में भी शरीक हुई।

मकराना आना सौभाग्य की बातः इटली की शिल्पकार सिमोना बोक्की ने स्वयं के मकराना प्रवास को अपना सौभाग्य करार दिया है। सिमोना के अनुसार शिल्पकला में मकराना वासियों की तुलना नहीं की जा सकती। यहां के लोग पराम्परागत तरीके से नक्काशी करते हुए शिल्प कलां को बैजोड़ बना देते हैं।

प्यार का मंदिर ताजमहल उसी की निशानी है। करीब एक वर्ष पहले ताज देखा तो विचार आया कि मकराना जरूर जाना है। ताज को देखते ही मार्बल पर की गई बारीक एवं बेहद आकर्षक नक्काशी की वह दिवानी हो गई। मकराना आकर यहां के लोगों से मिली तो बेहद खुशी हुई।